Regarding Paddy procurement issue.

DR. NAMDEO KIRSAN (GADCHIROLI-CHIMUR): Thank you, hon. Chairperson Sir, for giving me this opportunity.

Sir, the purchase of paddy is done at the MSP rate. So, the Centre is purchasing the paddy at the guaranteed rate and storing it in their godowns. छ: महीने तक राइस मिलिंग के लिए धान उठाया नहीं जाता है इसलिए स्टोरेज में ज्यादा दिन रहने लॉसिस आते हैं । पहले सैंट्रल गवर्नमेंट से घट एक क्विंटल के लिए एक किलोग्राम की मिलती थी, अब इसे आधा किलोग्राम कर दिया गया है । परचेजिंग सैंटर और सोसाइटीज़ किसानों से एक से दो किलोग्राम धान प्रति क्विंटल घट के नाम पर फ्री में लेते हैं । किसान बड़ी मुश्किल से धान उगाता है । उसे 24 घंटे बिजली नहीं मिलती है, केवल आठ से दस घंटे रात को ही बिजली मिलती है ।

मेरे संसदीय क्षेत्र में शेर और जंगली हाथियों का बहुत प्रकोप है । ये जानवर आए दिन किसी न किसी की जान लेते हैं इसलिए किसान रात को खेत में जाने से डरते हैं । दिन में बिजली नहीं मिलती है, किसान बड़ी मुश्किल से फसल तैयार करते हैं । जब वे सैंटर में बेचने के लिए लेकर जाते हैं तो एक या दो किलोग्राम प्रति क्विंटल धान घट के नाम पर फ्री में ले लिया जाता है । घट जो पहले एक किलोग्राम थी, अब इसे आधा किलोग्राम कर दिया गया है । मेरी मांग है कि केंद्र सरकार इसमें बढ़ोतरी करे और कम से कम चार किलो कर दे । लोडिंग और अनलोडिंग की कॉस्ट हमारी होती है । यह हर स्टेट में अलग-अलग है । मध्य प्रदेश में 16 रुपये, पंजाब में 17 रुपये, असम में 24 रुपये और महाराष्ट्र में सिर्फ 10 रुपये 75 पैसे है । यह रेट एक जैसा होना चाहिए । जिस तरह से असम में प्रति क्विंटल 24 रुपये दिया जाता है, उसी तरह से महाराष्ट्र में भी प्रति क्विंटल 24 रुपये देना चाहिए । किसानों को 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए । उनके ऊपर सोलर बिजली का कम्पलशन है, धान के लिए सोलर बिजली से काम नहीं चलता है, उनको इलैक्ट्रिक कनैक्शन देना चाहिए ।